संपादकीय

जीवन के आदर्शों से महामारी का मुकाबला

कोरोना के कहर की सालगिरह अपने देश में पूरी हो गयी। कोरोना महामारी देश में अपनी दूसरे वर्ष की पारी शुरू कर चुकी है। यह पहली से भी अधिक भयावह है। एक दिन में अगर चार लाख से अधिक मरीज किसी रोग से संक्रमित होने लगें और दुनिया में?इस महामारी से जान गंवाने वाला हर चौथा व्यक्ति भारतीय हो तो भला इस रोग से देश का दैनिक जीवन किसी अंधकूप में कैद हो अपना दम घुटता महसूस नहीं करेगा, तो और क्या करेगा?

एक बरस बीत गया, अभी सामान्य जीवन से आदमी का निर्वासन न जाने कितने दिन और है? जिंदगी से सामाजिकता, सभ्याचार, सार्वजनिक आदान-प्रदान का अर्थ त्याज्य होता जा रहा है। एक-दूसरे को चेहरा न दिखाने का हुक्म है। अपनी सांसों को आवरण देना है। 'चेहरे एक-दूसरे को न नज़र आयें तो भला,' यह वायरसयुक्त हवाओं ने हुक्म दिया। तपाक से गले मिलने वालों की इच्छा रखने वालों को हाथ भी न मिलाने का आदेश हो गया। तीन हाथ दूर रहकर बात करने का नया रिवाज बना।

अब आत्मीयता, अंतरंगता, स्नेहिल अभिवादन की परिभाषायें बदलनी होंगी। आत्मसाक्षात्कार और आत्मालाप की नयी पगडंडियां सामान्य मार्ग हो जीने का अर्थ बदलने की चेष्टा करने लगीं। देखते ही देखते पाठशालाओं, विद्यालयों और विश्वविद्यालयों के परिसर आदमी की जिंदगी से मुंह चुराते नज़र आये। परिसंवाद, वक्तृता, समूह गायन और सामूहिक प्रयास जीवन से बहिष्कृत होते नज़र आने लगे। उसकी जगह आभासी दुनिया और इंटरनेट से गुफ्तगू आदमी को जिंदगी का नया ढंग सिखाने लगी। दूसरा बरस शुरू हो गया, हम इस रहस्यमय वायरस की शक्ति को और भी अधिक विस्तार होता पाते हैं। पंजाब जैसे छोटे से राज्य में प्रतिदिन सात हज़ार से अधिक लोग संक्रमित हो रहे हैं, और अभी तक कुल मिलाकर दस हज़ार से अधिक लोग काल का ग्रास हो चुके हैं। यही हाल पूरे देश का है। लगातार दूसरे बरस भी लाखों की तादाद में लोगों का इस संक्रामक रोग से ग्रस्त हो जाना और हज़ारों की तादाद में दम तोड़ देना इसके भयावह प्रभाव को दिखाता है। अपने देश की स्वच्छता का कसीदा तो पहले ही कोई नहीं पढ़ता था, इस बरस यहां इस रोग के संक्रमण को इस तेजी से बढ़ते देखा तो अमेरिका और आस्ट्रेलिया जैसे अत्याधुनिक देशों ने घबरा कर भारत में आने-जाने से मनाही कर दी। चाहे उनके अपने देश भी इस संक्रामक रोग से अछूते नहीं रहे। जिस तरीके से अपने देश में?इस संक्रामक रोग से निपटा जा रहा है, उसके प्रति न्यायपालिका की दैनिक चेतावनियों के बावजूद किसी प्रकार का कोई नव जागरण, नये ढंग से जीने की चेतना दिखायी नहीं देती। साफ नज़र आ रहा है कि कोरोना की यह दूसरी लहर पहली लहर से कहीं अधिक भयावह है, लेकिन इसका सामना करने की प्रतिबद्धता नज़र नहीं आती।

मुनाफाखोरों की वही चाल बेढंगी, जो पहले थी, वह अब भी नज़र आने लगी। रेमडेसिवीर जैसे टीके इस रोग की राम बाण औषधि हैं या नहीं, यह सिद्ध नहीं हुआ, और जमाखोरों ने इसकी जमाखोरी करके बाज़ार से गायब कर दिया। अब अनसुने दामों पर उसे बेचा जा रहा है। यह रोग फेफड़ों का संक्रमण पैदा करता है, आक्सीजन घटा देता है, वेंटिलेटर तक पहुंचने की नौबत आ जाती है। लीजिये जिस जीवनरक्षक उपकरण और औषधि की मांग हुई, वही मार्किट से गायब हो गयी। काले बाजार की रौनक बढ़ाने लगी। मिलावटखोरों, तस्करों और नंबर दो का धंधा करने वालों की बन आयी। मौत एक ऐसी अचानक अनिवार्यता बनी, जो अचानक किसी का भी पता पूछती हुई आ धमकती है। पिछले बरस से यह सच आपके दरवाजों पर दस्तक दे रहा है, लेकिन उसकी परवाह किये बगैर, खाली शीशियों में नकली टीकों के बाजार अलग सजने लगे। आक्सीजन सिलेंडरों की मांग के बराबर आपूर्ति नहीं और वेंटिलेटर हैं तो उनके चलाने वाले प्रशिक्षित लोगों की कमी है। ऐसी दिल दहला देने वाली खबरें मिलती हैं कि पंचतारा अस्पतालों में आक्सीजन की आपूर्ति खत्म हो गयी और रोगी दम घुटकर मर गये। लगता है यहां जिंदगी नहीं आजकल मौत के बाजार सजते हैं। आदमी के उजले भविष्य पर प्राणघातक दवाओं के साये मंडराने लगे। चाहे मरने वालों की सूची लम्बी होती जा रही है, लेकिन संकट में से संपन्नता तलाश करने वालों की एक नयी जमात भी उभरती दिखायी देती है।

-सुरेश सेठ

अमेरिका जॉनसन एंड जॉनसन के कोविड टीके का भारत में संयुक्त उत्पादन पर कर रहा विचार

नई दिल्ली। अमेरिका जॉनसन एंड जॉनसन का कोविड-19 टीका भारत में संयुक्त रूप से उत्पादित करने और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) जैसे विनिर्माताओं को उत्पादन बढ़ाने में मदद करने के उपायों पर विचार कर रहा है। अमेरिकी दूतावास के मिशन प्रभारी डेनियल बीस्मिथ ने मंगलवार को यह कहा। स्मिथ ने यह भी कहा कि बाल्टीमोर संयंत्र में उत्पादित एस्ट्राजेनका के कोविड-19 टीके की प्रभाविता को अभी मंजूरी नहीं मिली है और खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने अभी उपयोग या निर्यात के लिये खुराकों की उपलब्धता को प्रमाणित नहीं किया है। व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति का निवास) ने पिछले महीने कहा था कि एस्ट्रेजेनका के टीके की उपलब्धता के बाद उसकी 6 करोड़ खुराकों के वैश्विक स्तर पर वितरण की योजना है। इसमें से बड़ा हिस्सा भारत हासिल करने की उम्मीद कर रहा है। स्मिथ ने कहा कि अमेरिका भारत में महामारी की मौजूदा स्थिति को लेकर चिंतित है। इसका कारण न केवल यह मानवीय त्रासदी है बल्कि इसका वैश्विक प्रभाव भी है। बाइडेन प्रशासन इस संकट से निपटने के लिये भारत के साथ पूरी मुस्तैदी से खड़ा है। उन्होंने कहा, ''मुझे पता है कि एस्ट्राजेनका के टीके का उत्पादन अमेरिका में हो रहा है। इसका उत्पादन बाल्टीमोर के बाहरी हिस्से में स्थित संयंत्र में हो रहा है। लेकिन इस संयंत्र के साथ समस्या है। अब तक अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने इसे प्रमाणित नहीं किया है कि ये टीके किसी के उपयोग और निर्यात के लिये उपलब्ध हैं या नहीं।'' उनसे यह पूछा गया था कि क्या अमेरिका एस्ट्राजेनका के टीके भारत को यथाशीघ्र उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा, ''इसीलिए मैं यह नहीं कह सकता कि यह चीजें कब होंगी या क्या होगा...।'' हाल में कार्यवाहक विदेश मंत्री और कार्यवाहक उप-विदेश मंत्री रहे स्मिथ को भारत में अमेरिकी दूतावास में मिशन प्रभारी नियुक्त किया गया है। उन्हें मुख्य रूप से महामारी से निपटने के लिये भारत को अमेरिकी सहायता को देखना और उसके लिये समन्वय करना है। संयुक्त उत्पादन से जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि संयुक्त उत्पादन स्थापित करने में समय लगता है। अमेरिका इस बात पर गौर कर रहा है कि वह उत्पादन बढ़ाने के लिये कैसे निवेश कर सकता है। स्मिथ ने कहा, ''हमारा विकास वित्त सहयोग इस बात पर गौर कर रहा है कि हम कैसे निवेश कर सकते हैं, जिससे जॉनसन एंड जॉनसन के टीके का भारत में उत्पादन करने में मदद मिल सके...।'' उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर कोविड-टीकों के उत्पादन में भारत की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है।

संयुक्त राष्ट्र ने भारत का विकास अनुमान बढ़ाया

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र ने मौजूदा कैलेंडर वर्ष के लिए भारत का विकास अनुमान 0.2 प्रतिशत बढ़ाकर 7.5 प्रतिशत कर दिया है, हालांकि उसने भारत के विकास परिदृश्य को काफी भंगुर बताया है।

शीर्ष वैश्विक संस्थान के आज जारी विश्व आर्थिक परिस्थिति एवं संभावनाएं (डब्ल्यूईएसपी) मध्य 2021 रिपोर्ट के अनुसार, भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वर्ष 2021 में 7.5 प्रतिशत और 2022 में 10.1 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। इस साल जनवरी में जारी मुख्य डब्ल्यूईएसपी रिपोर्ट के मुकाबले मौजूदा वर्ष के लिए विकास अनुमान में 0.2 प्रतिशत और अगले साल के अनुमान में 4.2 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल भारत के जीडीपी में 6.8 प्रतिशत की गिरावट रही थी। रिपोर्ट में भारत के बारे में कहा गया है, भारत (महामारी की) दूसरी लहर से बुरी तरह प्रभावित है जिसके कारण देश के बड़े हिस्से में जन स्वास्थ्य व्यवस्था दबाव में है। टीके की पात्रता का दायरा बढ़ाया गया है और आपूर्ति में हरसंभव वृद्धि के प्रयास किये जा रहे हैं, लेकिन टीके तक पहुंच में असमानता है और यह भारी मांग की पूर्ति के लिए अपर्याप्त है। स्थिति के मद्देनजर भारत का विकास परिदृश्य बेहद भंगुर है।

5-जी परीक्षणों से चीनी कंपनियों को दूर रखना भारत का संप्रभु निर्णय : अमेरिका

नई दिल्ली। भारत द्वारा हाल में चीनी कंपनियों हुवावेई और जेडटीई के बिना 5जी परीक्षणों को करने के फैसले को अमेरिका ने एक संप्रभु निर्णय कहा है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि अमेरिका उन उपकरणों के साथ नेटवर्क स्थापित करने के खतरों को लेकर अत्यधिक चिंतित है, जिन्हें चीन द्वारा बाधित या नियंत्रित किया जा सकता है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा, ''यह भारत सरकार द्वारा एक संप्रभु निर्णय था, इसलिए हमारा मानना है कि इस बारे में आपको भारत सरकार से ही कोई टिप्पणी लेनी चाहिए।'' उन्होंने आगे कहा, ''लेकिन मैं अधिक व्यापक रूप से कह सकता हूं कि यह सही है कि हम ऐसे उपकरणों पर आधारित नेटवर्क के खतरों को लेकर चिंतित हैं, जिन्हें पीआरसी (पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइन) नियंत्रण या बाधित कर सकता है।'' उन्होंने कहा कि हुवावेई या जेडटीई जैसे गैर-भरोसेमंद दूरसंचार आपूर्तिकर्ताओं को अनुमति देने में राष्ट्रीय सुरक्षा, निजता और मानवाधिकारों से जुड़े जोखिम शामिल हैं। दूरसंचार विभाग ने चार मई को 5जी परीक्षण के लिए दूरसंचार कंपनियों के आवेदनों को मंजूरी दी थी, हालांकि इसमें कोई भी कंपनी चीनी प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल नहीं करेगी। दूरसंचार विभाग ने रिलाइंस जियो, भारती एयरटेल, वोडाफोन और एमटीएनएल के आवेदनों को मंजूरी दी है। इनमें से कोई भी कंपनी चीनी कंपनियों की तकनीक का उपयोग नहीं कर रही है। दूरसंचार विभाग ने 5जी परीक्षण के लिए स्वीकृत दूरसंचार गीयर विनिर्माताओं की सूची में एरिक्सन, नोकिया, सैमसंग, सी-डॉट और रिलायंस जियो की स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। इसका का मतलब है कि चीनी कंपनियां 5जी परीक्षणों का हिस्सा नहीं होंगे। दूरसंचार विभाग का यह कदम इस ओर इशारा करता है कि केंद्र सरकार देश में शुरू होने वाली 5जी दूरसंचार सेवाओं में चीनी कंपनियों को हिस्सा लेने से रोक सकती है।

अब से भारत में ही बनेगी इलेक्ट्रिक कारों की बैटरी, मोदी कैबिनेट ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बताया कि एडवांस केमिस्ट्री सेल बैटरी स्टोरेज के नेशनल प्रोग्राम को मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट में इसे मंजूरी मिल गई है। एडवांस केमिस्ट्री सेल एनर्जी को केमिकल फॉर्म में स्टोर करता है। इसका इस्तेमाल इलेक्ट्रिक कारों में किया जाता है। अभी, भारत इसका बड़े पैमाने पर इंपोर्ट करता है। अब सरकार चाहती है कि इसके इंपोर्ट को कम किया जाए और घरेलू स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग बढ़ें। इस मिशन के तहत एनवायरमेंट फ्रेंडली विकल्पों के लिए नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत की अगुवाई में एक इंटर-मिनिस्ट्रियल कमेटी बनी थी। मिशन का लक्ष्य बड़े स्तर पर बैटरी मॉड्यूल और पैक असेंबली प्लांट लगाना है और साथ ही, इंटीग्रेटेड सेल मैन्युफैक्चरिंग पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि फैसला आत्मनिर्भर भारत का एक परिदृश्य होने के साथ ही मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के लिए लिया गया है। इसके तहत अब से इलेक्ट्रिक कारों की बैटरी देश में ही बनेंगी।

जावड़ेकर ने बताया कि बैटरी स्टोरेज बढ़े इसके लिए हम 20 हजार का बैटरी स्टोरेज बाहर से आयात कराते हैं लेकिन अब पीएलआई के तहत इसका उत्पादन देश में किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने आगे बताया कि इससे आगे चलकर बड़े पैमाने पर ईंधन के आयात को भी कम किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि उन्नत रसायन सेल बैटरी भंडारण पर राष्ट्रीय कार्यक्रम से 45,000 करोड़ रुपये का निवेश होने की संभावना है।

अंकिता चौहान ने फिल्म बीए पास 3 से बॉलीवुड में ली एंट्री

बॉलीवुड फिल्मों में बीए पास ने एक नया ट्रेंड शुरू किया था। फ़िल्म की कहानी और इसकी बेबाकी की वजह से फ़िल्म ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। उसके पार्ट 2 ने भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार परफॉर्मेंस पेश की थी और अब निर्देशक निर्माता नरेंद्र सिंह बीए पास फ्रेंचाइजी का अगला पार्ट बीए पास 3 लेकर आ रहे हैं. हालांकि यह फिल्म 1 मई को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई मगर इसका ट्रेलर आउट कर दिया गया है जिसे खूब पसंद किया गया. इस फ़िल्म से ऐक्ट्रेस अंकिता चौहान बॉलीवुड में इंट्री हुई। जी हां, यह अंकिता की डेब्यू फ़िल्म है और वह इस मूवी को लेकर बेहद उत्साहित थी। वह कहती हैं मैं अपनी डेब्यू फिल्म बीए पास 3 को लेकर सुपर एक्साइटेड थी। जैसा कि सबको पता है कि बीए पास अपने आप में एक बड़ा ब्रांड है, मुझे उम्मीद है कि सभी को इस फ़िल्म में मेरा काम पसन्द आया होगा।

आपको बता दें कि यह फिल्म फिल्मी बॉक्स एप पर 1 मई को रिलीज हुई. इस फिल्म के प्रोड्यूसर और डायरेक्टर नरेंद्र सिंह हैं। इसकी कहानी दीप चुघ और नरेंद्र सिंह द्वारा लिखी गई है और इंडस्ट्री के मशहूर छायाकार अनमोल धीमान द्वारा इसे फिल्माया गया है. इसके संगीतकार अल्ताफ-मन्नी हैं। फ़िल्म में अहम भूमिका में सनी सचदेवा, अंकिता चौहान, अरमान संधू हैं। अंकिता चौहान का रोल इस फ़िल्म में काफी चैलेंजिंग थी मगर वो इसे अपने करियर की बेहतरीन लांचिंग फ़िल्म मानती हैं। बीए पास 3 की कहानी ऐसे अनवांछित रिलेशनशिप के बारे में है, जो रिश्ते बनते हैं और फिर उन्हें सजा भी मिलती है. बी ए पास 3 एक बेरोजगार युवक अंशुल के जीवन के इर्द गिर्द घूमती है जब वह एक शादीशुदा औरत के साथ रिलेशनशिप में पड़ जाता है, तो उसकी जिंदगी कैसे बदल जाती है।गौरतलब है कि अंकिता चौहान के कई अपकमिंग प्रोजेक्ट्स हैं। बीए पास 3 के बाद पिंग पोंग चैनल के लिए उनकी एक शार्ट फ़िल्म द रिटर्न गिफ्ट रिलीज होने वाली है।

दिशा और टाइगर के रिश्ते पर पहली बार जैकी श्रॉफ ने तोड़ी चुप्पी

इसमें कोई दो राय नहीं है कि दिशा पाटनी और टाइगर श्रॉफ बॉलीवुड के सबसे मशहूर और चर्चित का कपल है जो अक्सर किसी न किसी कारण सुर्खियों में बने रहते हैं। ये दोनों पिछले काफी समय से एक दूसरे के साथ रिलेशनशिप में है लेकिन आज तक कभी भी टाइगर श्रॉफ और दिशा पाटनी ने अपने रिलेशनशिप को लेकर सार्वजनिक तौर पर कुछ भी नहीं कहा है। जब भी इन दोनों से उनके रिश्ते के बारे में बात की जाती है तो ये दोनों एक दूसरे को अपना एक अच्छा दोस्त ही बताते हैं। ये दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर एक दूसरे के पोस्ट पर लाइक और कमेंट करते रहते हैं।

इसके अलावा दिशा पाटनी और टाइगर श्रॉफ कई बार एक साथ वेकेशन मनाने के लिए भी गए हैं। अब ऐसे में अभिनेता टाइगर श्रॉफ के पिता जैकी श्रॉफ ने अपने बेटे के रिलेशन स्टेटस के बारे में खुलासा किया है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि दिशा पाटनी और जैकी श्रॉफ आने वाले दिनों में सलमान खान की फिल्म राधे योर मोस्ट वॉन्टेड भाई में नजर आने वाले हैं।

जिसमें जैकी श्रॉफ और दिशा पाटनी ने भाई-बहन की भूमिका में दिखाई देने वाले है। ऐसे में जब उनसे सवाल पूछा गया कि, दिशा ने जैकी श्रॉफ को कैसे संबोधित किया। इस पर अभिनेता जैकी श्रॉफ ने इस बारे में जवाब देते हुए कहा कि, कोई भी किसी को नाम से नहीं बुलाता। जब दो लोग एक साथ होते हैं तो नाम नहीं लेते हैं। कहने के लिए कुछ भी नहीं है।

महामारी से टेलीविजन उद्योग को नुकसानः वैष्णवी धनराज

अभिनेत्री वैष्णवी धनराज, जो अपने शो आपकी नजरों ने समझा में नम्रता का किरदार निभा रही हैं, उनका कहना है कि महामारी के दौरान टेलीविजन उद्योग को नुकसान उठाना पड़ रहा है, लेकिन इसमें शामिल सभी लोग वापस लड़ने के लिए तैयार हैं।

उन्होंने बताया कि मुझे लगता है कि इस उद्योग की सबसे अच्छी बात है कि हर किसी के लिए यहां काम है। यह शोबिज का हिस्सा बनने के लिए बहुत अच्छा चरण है। मुझे पता है कि महामारी का प्रकोप बढ़ रहा है, लेकिन हम वापस लड़ रहे हैं। चीजें जल्द ही बेहतर होंगी। इस बीच, अभिनेत्री ने कहा कि उनका शो काफी लोकप्रियता बटोर रहा है क्योंकि वे नए कंटेंट के साथ दर्शको के सामने आए हैं। उन्होंने कहा, लोग ऐसा कुछ भी नहीं देखना चाहेंगे जो उन्होंने पहले देखा हो या पसंद नहीं करते हों।

आज का राशिफल

मेषः मेहनत का फल मीठा मिलेगा। सामाजिक कार्य में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय बढ़ेगा।

वृषभः आज का भविष्य : दूर से सुखद सूचना मिल सकती है। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मिथुन : नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कर्क : पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

सिंहः परिवार तथा मित्रों के साथ कोई मनोरंजक यात्रा का आयोजन हो सकता है। रुका हुआ पैसा मिलने का योग है। मित्रों के सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। नया कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी।

कन्याः कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। योजना फलीभूत होगी। कारोबार में वृद्धि पर विचार हो सकता है। नौकरी में अधिकारीगण प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग मिलेगा।

तुलाः किसी धार्मिक स्थल की यात्रा की आयोजना हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शाति रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन सहायता प्राप्त होगी।

वृश्चिकः चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। लापरवाही न करें। किसी व्यक्ति से व्यर्थ विवाद हो सकता है। मानसिक क्लेश होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

धनु : जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे तथा समस्या बढ़ सकती है। विरोध होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। बाहर जाने की योजना बनेगी।

मकरः भूमि, भवन, दुकान, शोरूम व फैक्टरी इत्यादि की खरीद-फरोख्त हो सकती है। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

कुंभः कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

मीनः दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। चिंताजनक सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें।

बनाएं कोयंबटूर टमैटो भात

टमैटो राइस तो आपने पहले तो कई बार चखा होगा, लेकिन कोयंबटूर टमैटो भात का स्वाद थोड़ा अलग है जिसे घर पर आसानी से तैयार किया जा सकता है।

सामग्री :

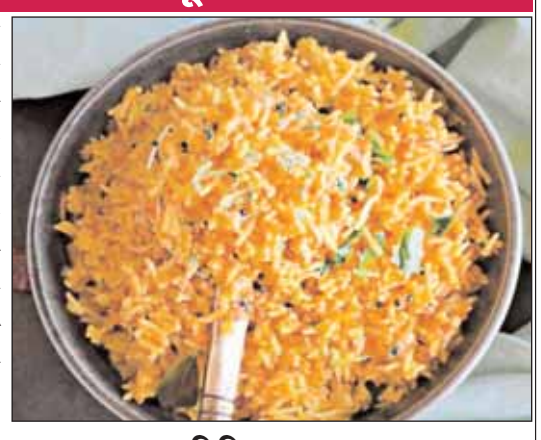

3 कप पके हुए बासमती राइस, 3 टेबलस्पून तेल, 1 टीस्पून सरसों के दाने, 1 टीस्पून जीरा, कुछ करी पत्ते, 2-3 सूखी लाल मिर्च, 1/4 टीस्पून हींग, 1/2 टीस्पून काली मिर्च पाउडर, 1 कप ताजे टमाटर की प्यूरी, 1 टेबलस्पून कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, 1/2 टीस्पून गरम मसाला, 1/2 कप बारीक कटे अखरोट, 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर, नमक

विधि :

कड़ाही में तेल डालकर गर्म करें। इसमें सरसों के दाने और जीरा डालकर चटकाएं। करी पत्ते, लाल मिर्च और हींग डालें। अब इसमें अखरोट और टमाटर की प्यूरी डालकर चलाएं। बचे सारे मसाले डालकर दोबारा चलाएं। टमाटर की प्यूरी पक जाए तो इसमें चावल ऐड करें। तेज़ आंच पर चलाएं और गर्मागर्म राइस को सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 77

बाएं से दाएं

1. घुमाव-फिराव वाला, आड़ा-तिरछा, जो कठिन हो 3. कुशलता, दक्षता, विशेषज्ञता 6. लोग, प्रजा 7. सीता, जनकनंदनी 9. सुंदर, कामना करने योग्य 10. क्रोधपूर्वक बोलने को उद्यत होना, जोश में आना, क्रोधातिरेक में चेहरे का लाल होना 13. अधीनता, मातहती, वश 14. दबाव, भार, वजन 16. हद, मर्यादा 18. प्रमाण-पत्र, प्रमाणिक कथन या बात 19. पछताना (मुहा.) 21. अनुचित मिश्रण, मिलावट 22. विफल, बेहोश, बौखलाया हुआ।

ऊपर से नीचे

1. सहारा, आश्रय, प्रतिज्ञा, संकल्प 2. परिश्रम 4. रात, रात्रि, निशा 5. पुत्र, बेटा 8. मूल्य, दाम 9. कपड़े का मोटा परदा 11. संदेश भेजना, उच्चारण कराना, कहलवाना 12. मृतकों को जीवित और रोगियों को स्वस्थ कर देने वाला व्यक्ति, प्रेमपात्र की संज्ञा 14. देने की क्रिया, खैरात 5. कुमार्गी, दुराचारी 17. मस्तक, माथा, ललाट 18. प्रश्न, समस्या 20. सहायता, सहारा 21. पशुओं को खिलाने वाली हरी पत्तियां, तृण, तिनका।

1		2		■	3		4	5
	■		■	■	■	■	6	
■	7		8	■	9			
■	■	10		11		■	■	■
12	■	■	13			■	14	15
16	17	■			■	18		
19		20			■		■	
■	■		■	■	21			
■	22					■	■	

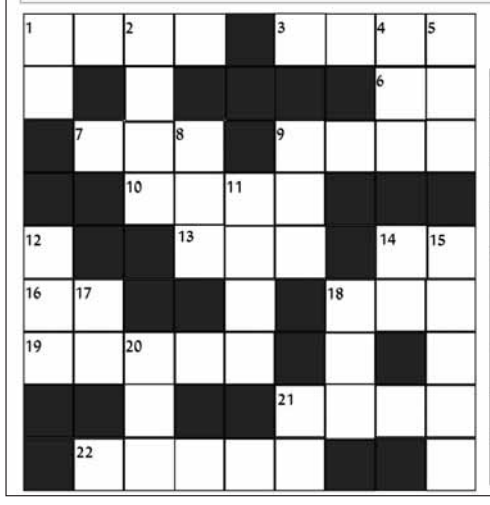

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 76 का हल

ज	द्दो	जे	ह	द	■	स	पू	त
ल	■	ब	ल	वा	न	■	■	द
म	ह	क	■	खा	म	खां	■	बी
ग्न	■	त	ल	ना	■	स	फ	र
■	म	रा	■	■	■	ना	टा	■
■	हि	■	स	■	■	■	फ	न
■	ला	ज	वा	ब	■	म	ट	र
मां	■	ग	■	सं	त	ति	■	भ
■	मा	त	ह	त	■	■	प	क्षी

सू-दोकू- 77

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 76 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3		2	5
1	8	9	3	6	7	[illegible]	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7